सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 246 | इंदौर, सोमवार 23 मार्च, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

सेंसेक्स 1556 अंक गिरा, US डॉलर के मुकाबले रुपया

पहली बार 93.90 के पार

नई दिल्ली, (एजेंसी) भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बड़ी गिरावट के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में संसेक्स 1,555.62 अंक गिरकर 72,977.34 पर आ गया; निफ्टी 479.95 अंक गिरकर 22,634.55 पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 41 पैसे गिरकर रिकॉर्ड निचले स्तर 93.94 पर आ गया। बैंकिंग और मार्केट एक्सपर्ट अजय बग्गा के मुताबिक, हालात तेजी से एस्केलेशन की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे निवेशकों में घबराहट साफ दिख रही है। अजय बग्गा ने कहा कि हफ्ते की शुरुआत बेहद अस्थिर माहौल में हुई है और निवेशक जोखिम वाले एसेट्स से पैसा निकालकर डॉलर जैसी सुरक्षित जगहों की ओर जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिकी मनी मार्केट फंड्स का एयूएम 8 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच चुका है, जो इस सेफ्टी फ्लाइट को दर्शाता है।

48 घंटे का अल्टीमेटम बना ट्रिगर

बग्गा के अनुसार, बाजार में घबराहट की सबसे बड़ी वजह अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा ईरान को दिया गया 48 घंटे का अल्टीमेटम है। इसमें कहा गया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोला जाए, जो फिलहाल युद्ध से पहले की क्षमता के सिर्फ 5% पर चल रहा है, वरना ईरान के पावर ग्रिड को निशाना बनाया जा सकता है।

तेल बाजार में उथल-पुथल

कमोडिटी बाजार में भी भारी अस्थिरता बनी हुई है। ब्रेंट क्रूड करीब 112 डॉलर प्रति बैरल और WTI 98.50 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना रहा। सप्लाई बाधित होने की आशंका और वैश्विक मांग में गिरावट के डर के बीच कीमतें लगातार उतार-चढ़ाव में हैं।

सर्राफा बाजार में दिखी गिरावट; चांदी करीब ₹13600 तक टूटी, सोना ₹7135 सस्ता

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच सोमवार को एमसीक्स पर सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। चांदी की कीमत 13606 रुपये गिरकर 2.13 लाख रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई। वहीं सोने का भाव 7135 रुपये गिरकर 1.37 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर सीधी और गुना एसपी को हटाने के दिये निर्देश

जिला सहकारी बैंक के महाप्रबंधक को किया निलंबित

- लापरवाह अधिकारियों को फील्ड पोस्टिंग का अधिकार नहीं
- प्रशासनिक व्यवस्था और योजनाओं के मैदानी क्रियान्वयन को परखने सीधी में किया औचक निरीक्षण
- नागरिकों से रूबरू होकर जानी उनकी समस्याएं

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को सीधी जिले में अचानक पहुंचकर स्थानीय नागरिकों से सीधा संवाद कर प्रशासनिक व्यवस्था और योजनाओं के मैदानी क्रियान्वयन की स्थिति जानी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनसंवाद के दौरान आमजन और जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न मुद्दों पर की गई शिकायतों और जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों की कार्य प्रणाली पर विस्तार से समीक्षा एवं फीडबैक लिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राप्त शिकायतों के दृष्टिगत सीधी कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी को तत्काल प्रभाव से हटाने और जिला सहकारी बैंक के के महाप्रबंधक श्री पी.एस. धनवाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुना जिले में तलाशी के दौरान मिली नगद राशि में हेरफेर के मामले में पुलिस अधीक्षक गुना श्री अंकित सोनी की भूमिका को यथोचित न मानते हुए पुलिस अधीक्षक पद से हटाने के निर्देश भी दिये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नागरिकों से प्राप्त शिकायतों के संदर्भ में शासन स्तर पर आवश्यक कदम भी उठाये जायेंगे। प्रदेश में सुशासन की व्यवस्था के चलते अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा की गई लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने कहा कि जनकल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता है। आमजन की समस्याओं के निराकरण के लिये प्रदेश में अभियान के साथ शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर भी आयोजित किये जाते हैं। अधिकारी-कर्मचारियों को यह संदेश देना चाहता हूँ कि यदि वे फील्ड में रहकर आमजन की समस्याओं का निराकरण नहीं कर सकते तो उन्हें फील्ड में रहने का कोई अधिकार नहीं है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनसंवाद के दौरान नागरिकों की समस्याएं सुनी और उनके त्वरित और प्रभावी निराकरण के लिये अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ समयबद्ध और पारदर्शिता के साथ पहुँचे। उन्होंने मैदानी अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे संवेदनशीलता, जवाबदेही और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदाशीनता को गंभीरता से लिया जाकर कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई की जायेगी। मुख्यमंत्री ने सीधी में निर्माणाधीन कलेक्ट्रेट भवन की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कलेक्ट्रेट भवन निर्माण में तेजी लाते हुये निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण किया जाये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सीधी में औचक निरीक्षण के बाद स्थानीय सर्किट हाउस में आमजन एवं जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद भी किया। इस दौरान सांसद श्री राजेश मिश्रा, विधायक सिंहावल श्री विश्वमित्र पाठक, विधायक श्रीमती रीति पाठक के साथ ही अन्य जन प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

होटल संचालकों ने सरकार को घेरा, बोले-

20% नहीं हमें चाहिए 50% गैस सिलेंडर, ठप हो गया धंधा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मध्य प्रदेश में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की किल्लत ने होटल और रेस्टोरेंट उद्योग की कमर तोड़ दी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका, ईरान और इजरायल के बीच जारी युद्ध के कारण देश में गैस आपूर्ति बाधित हुई है। केंद्र सरकार द्वारा शुरुआत में आपूर्ति बंद करने के बाद इसे 20 प्रतिशत तक बहाल करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन जमीनी स्तर पर यह राहत अब तक व्यवसायियों तक नहीं पहुंच सकी है।

होटल और रेस्टोरेंट संचालकों की बढ़ती परेशानियों को देखते हुए मध्य प्रदेश होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष सुमित सूरी ने खाद्य आपूर्ति सचिव रश्मि अरुण शमी से भोपाल में संपर्क किया। प्रदेश भर के होटल संगठनों के प्रतिनिधियों का कहना है कि केंद्र के 20 प्रतिशत आपूर्ति के आदेश के बावजूद राज्य सरकार की ओर से अब तक कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी नहीं हुए हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर वितरण व्यवस्था ठप पड़ी है। सूरी ने कहा हमने सरकार के सामने अपनी मांगे रखी हैं और हमें उम्मीद है कि जल्द से जल्द हमें मदद मिलेगी। होटल और रेस्टोरेंट एसोसिशन से लाखों लोगों का रोजगार जुड़ा हुआ है। सभी के सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है। सुमित सूरी के अनुसार संगठन की प्रमुख मांग है कि वर्तमान 20 प्रतिशत की सीमा को बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया जाए ताकि व्यवसायों का संचालन सुचारू रूप से हो सके। इसके अलावा उन्होंने एक नया प्रस्ताव भी रखा है कि सभी संस्थानों के लिए आपूर्ति का एक समान नियम नहीं होना चाहिए। होटलों की श्रेणी और उनकी मांग के आधार पर गैस का कोटा निर्धारित किया जाना चाहिए। बड़े संस्थानों को उनकी खपत के अनुसार अधिक और छोटे संस्थानों को उनके अनुपात में गैस उपलब्ध कराई जानी चाहिए। साथ ही पीएनजी सप्लाई को भी मांग के अनुरूप बढ़ाने की मांग रखी गई है।

फायर सेफ्टी को लेकर जिला प्रशासन सख्त

जी+3 एवं उससे अधिक की बहुमंजिला इमारतों में 15 दिन में व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में रविवार को राजस्व अधिकारियों, नगर निगम के अधिकारियों, फील्ड बिल्डिंग ऑफिसर्स एवं बिल्डिंग इंस्पेक्टर्स की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर की बहुमंजिला व्यावसायिक और अन्य इमारतों में फायर सेफ्टी व्यवस्था को लेकर सख्त निर्णय लिए गए। बैठक में नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल भी विशेष रूप से मौजूद थे।

बैठक में तय किया गया कि जी+3 एवं उससे अधिक ऊंचाई वाली सभी कमर्शियल और अन्य बिल्डिंग्स को 15 दिन का समय दिया जाएगा, जिसमें उन्हें

अपने फायर सेफ्टी प्लान एवं व्यवस्थाओं को पूरी तरह दुरुस्त करना होगा। इस अवधि के बाद यदि किसी भवन में आवश्यक फायर सुरक्षा मानकों का पालन नहीं पाया जाता है, तो संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम के नेतृत्व में गठित दलों द्वारा कल से ही फायर सुरक्षा मानकों की व्यवस्थाओं के निरीक्षण का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि इस दौरान रैंडम निरीक्षण भी किए जाएंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भवनों में अग्निशमन उपकरण, आपातकालीन निकासी मार्ग (एग्जिट), एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं उपलब्ध और कार्यशील हैं। साथ ही, यह भी देखा जाएगा कि संबंधित भवनों ने नियमानुसार अनुमति (लाइसेंस) प्राप्त की है या नहीं। बैठक में यह भी सामने आया कि कई भवनों में निर्माण के बाद अतिरिक्त या अवैध निर्माण किया गया है, जो बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। आवश्यक होने पर नोटिस जारी कर सुधार कार्य करवाया जाएगा या अवैध हिस्सों को हटाने की कार्रवाई भी की जाएगी। कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा प्रमुख रूप से निर्देश दिये गए कि सभी जी+3 एवं उससे अधिक ऊंचाई वाली इमारतों में फायर सेफ्टी उपकरणों को अनिवार्य रूप से जांच कर उन्हें कार्यशील स्थिति में रखा जाए। प्रत्येक भवन में आपातकालीन निकासी मार्ग स्पष्ट, अवरोध मुक्त एवं चिन्हित होना सुनिश्चित किया जाए।

बिना अनुमति किए गए अतिरिक्त निर्माणों को तत्काल चिन्हित कर नोटिस जारी कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। फायर सेफ्टी नियमों का पालन नहीं करने वाले भवनों के विरुद्ध लाइसेंस निरस्तीकरण सहित दंडात्मक कार्रवाई की जाए। अधिकारियों ने फायर सेफ्टी से संबंधित निरीक्षण एवं मूल्यांकन के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता जताई। इस पर कलेक्टर ने आश्वस्त किया कि सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को फायर सेफ्टी मानकों एवं प्रक्रियाओं की समुचित ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वार्ड 48 में होंगे 2 करोड़ 25 लाख की लागत से विकास काम

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। विधानसभा 5 के वार्ड क्रमांक 48 में करोड़ों रुपए के विकास काम होना है। रविवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव और विधायक महेंद्र हार्डिया ने बाहर पत्थर चौराहा, संेटपॉल स्कूल के पास 2 करोड़ 25 लाख की लागत से होने वाले विकास कामों का भूमिपूजन किया।

महापौर बोले हमारी परिषद जब बनी तो हमने पहली बैठक में यह संकल्प लिया था की इन 5 सालों में हमको क्या काम करके दिखाना है, यह हमारा लक्ष्य नहीं है हमारा लक्ष्य है कि हमारे बच्चे और उनके बच्चे को आने वाले भविष्य में स्वच्छ एवं शुद्ध पानी मिले, उनके बच्चों को सड़क मिले, ड्रेनेज निस्तारण की सुविधा हो और भविष्य की दृष्टि से शहर कैसे चलेंगे इसकी आधारशिला हमने रखी है। उन्होंने कहा कि भविष्य के इंदौर को तैयार करने का काम किया जा रहा है, इंदौर के भविष्य के लिए मूलभूत काम किया जा रहे हैं। देश के सबसे स्वच्छ शहर को सोलर सिटी, ग्रीन सिटी और डिजिटल सिटी बनाने का हमारा लक्ष्य है। महापौर ने गीता नगर में महापौर निधि से गार्डन बनाने की भी घोषणा की। विधायक महेंद्र हार्डिया ने कहा कि महापौर के निर्देशन में वार्ड में करोड़ों के विकास कामों का आज भूमि पूजन किया गया है। क्षेत्र में पानी का प्रेशर नहीं बन पाता था और गंदे पानी की भी संभावना लगातार बनी रहती थी, इन सभी विकास कामों के होने से ये समस्या काफी हद तक दूर होगी। क्षेत्रीय पार्षद विजयलक्ष्मी गौहर ने बताया कि महापौर भार्गव और विधायक हार्डिया के हाथों वार्ड क्रमांक 48 में 1 करोड़ 25 लाख की लागत से कृषि नगर पानी की टंकी से बारह पत्थर चौराहे तक नई नर्मदा लाइन एवं बाहर पत्थर से वर्धा विहार तक 80 लाख की लागत से सड़क सीमेंटीकरण के काम का भूमि पूजन किया गया।

पर्यावरणविदों ने की कान्ह नदी के घाटों की सफाई

शुद्ध जल नर्मदा में किया अर्पित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर की कान्ह नदी पर पांच सौ करोड़ रुपये से अधिक की राशि बीते 25 वर्षों में अलग-अलग प्रोजेक्टों के माध्यम से खर्च की गई है, लेकिन अभी तक कान्ह नदी शुद्ध नहीं हो पाई है। इंदौर की प्रतिनिधि संस्था अभ्यास मंडल ने इस नदी को शुद्ध बनाने के लिए लंबे समय से अभियान चला रखा है। इसी कड़ी में रविवार को विश्व जल दिवस के मौके पर शहर के पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता कृष्णपुरा छत्री के घाट पर एकत्र हुए और नदी के घाट की सफाई की।

घाट पर चारों तरफ कचरा

और गंदगी पड़ी थी। अभ्यास मंडल से जुड़े कार्यकर्ताओं ने पहले घाट साफ किए, फिर पानी से उन्हें धोया। इसके बाद नदी में लोटे से शुद्ध जल प्रवाहित किया। इस मौके पर मंडल से जुड़े पदाधिकारियों ने कहा कि कान्ह नदी को साफ करना आवश्यक है, क्योंकि यह शिप्रा नदी में जाकर मिलती है। यदि कान्ह नदी दूषित होती है तो वह पवित्र शिप्रा नदी को दूषित करेगी। हर बारह वर्षों के बाद उज्जैन में सिंहस्थ मेला लगता है और करोड़ों भक्त सिंहस्थ में शामिल होकर स्नान करते हैं। सकोरे भी वितरित किए कार्यक्रम के दौरान गर्मी में पक्षियों को पानी पिलाने के लिए सकोरे (मिट्टी के बर्तन) का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर श्याम सुंदर यादव ने जल संरक्षण और कान्ह-सरस्वती नदी पुनर्जीवित करने की शपथ दिलाई। इस मौके पर दिलीप वाघेला, बसंत सोनी, किशन सोमानी, निर्मल कुमरावत, इशाक चौधरी, संदीप खानवलकर, मनीष भालेराव, यश जायसवाल, सौरभ गौसर, मनीषा गौर, वैशाली खरे, रामेश्वर गुप्ता, मुरली खंडेलवाल आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम संचालन मालसिंह ठाकुर ने किया और आभार स्वप्निल व्यास ने माना।

मंत्री श्री सिलावट ने निर्माणाधीन रेलवे ओव्हरब्रिज का निरीक्षण किया

निर्माण कार्यों में तेजी लाएं, लोक निर्माण विभाग और रेलवे समन्वय के साथ कार्य करें : श्री सिलावट

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने रविवार को इंदौर जिले के सांवेर विधानसभा के मांगलिया में 45 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन इंदौर-देवास रेलवे समपार ओव्हरब्रिज का निरीक्षण किया। इस मौके पर लोक निर्माण विभाग की कार्यपालन यंत्री सुश्री गुरमीत कौर भाटिया और रेलवे के अधिकारी साथ थे। मंत्री श्री सिलावट ने निर्माणाधीन रेलवे ओव्हरब्रिज के प्रगति कार्यों की जानकारी संबंधित अधिकारियों से प्राप्त की और उसकी विस्तृत समीक्षा की। साथ ही उन्होंने रेलवे ओव्हरब्रिज की ड्राइंग और डिजाइन देखी और

मौके पर ही रतलाम डीआरएम से दूरभाष पर बातचीत कर निर्माणाधीन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। इस रेलवे ब्रिज की लंबाई 790 मीटर और चौड़ाई 12 मीटर है। मंत्री श्री सिलावट ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रेलवे ओव्हरब्रिज का निर्माण कार्य समयसीमा में गुणवत्ता के साथ करें। लोक निर्माण विभाग और रेलवे समन्वय के साथ कार्य करें। निर्माण कार्यों की प्रगति रिपोर्ट हर 15 दिवस में प्रस्तुत करें और उसकी मॉनीटरिंग करें। श्री सिलावट ने बताया कि यह रेलवे ओव्हर ब्रिज ओंकारेश्वर से महाकालेश्वर उज्जैन का लिंक रोड है, जिस पर हजारों वाहनों का आवागमन होता है। इस रेलवे ओव्हर ब्रिज का निर्माण होने से प्रतिदिन 1 लाख से अधिक लोगों को सुलभ व सरल आवागमन होगा। इस मौके पर जनपद सदस्य भरत पटेल, रवि वाजपेयी, एसडीओ गोरेलाल सोलंकी, रेलवे अधिकारी कैलाशचंद, नायब तहसीलदार विकास रघुवंशी, मांगलिया सरपंच विजय हिरवे, विक्की यादव, उप सरपंच चेतन मेहता, महेश मंत्री एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

लॉरेंस गैंग का खौफ... अशोकनगर से इंदौर भोपाल तक कारोबारियों को धमकियां

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। सेलिब्रिटी के बाद अब एमपी में कारोबारियों-व्यापारियों को लॉरेंस गैंग के गुर्गों की धमकियां मिल रही हैं। अशोकनगर से लेकर ब्यावरा, इंदौर, भोपाल के कारोबारी-व्यापारी इनकी लिस्ट में है। करीब एक महीने पहले अशोकनगर के एक बिल्डर व कारोबारी को धमकी दी थी।

वहीं शनिवार को भोपाल के कारोबारी को भी धमकी दी है। बता दें कि एमपी के कारोबारियों को लॉरेंस गैंग से धमकी का यह एक महीने के भीतर यह चौथा मामला है। लगातार मिल रही इन धमकियों से जहां कारोबारी व व्यापारियों में डर का माहौल है। वहीं पुलिस भी हैरत में पड़ गई है। इंदौर में जिस रियल एस्टेट कारोबारी को धमकी मिली वह भी घबराए हुए हैं। धमकी मिलने के बाद इंदौर क्राइम ब्रांच ने मामले में अपनी जांच शुरू कर दी है। एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि इंदौर के जिस रियल एस्टेट कारोबारी को धमकी मिली है। उसमें क्राइम ब्रांच जांच कर रही है।

जिस नंबर से कारोबारी को कॉल आया था उसकी जानकारी निकाल रहे हैं। अगर (वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क) से आया तो इसका भी पता लगाया जाएगा कि कहां से ये आया है। वाइस की सैंप्लिंग कराई जाएगी। ये भी पता किया जाएगा कि सही में हरि बॉक्सर की आवाज है या नहीं। इसके साथ ही जिन-जिन जगह पर लोगों को धमकाया गया है वहां से भी जानकारी बुलवाई जा रही है, वहां किस तरह की मॉडस ऑपरेंडी रही है। इधर, देखा जाए तो कुछ जगह पर धमकाने का पैटर्न एक जैसा ही नजर आ रहा है। खरगोन जिले में किसान कारोबारी दिलीप सिंह राठौड़ के घर पर फायरिंग हुई है। बाइक सवार 3 नकाबपोश बदमाशों ने घर के बाहर गोलियां चलाईं। फायरिंग के बाद इंदौर की ओर भाग गए। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जानकारी के मुताबिक, फायरिंग की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली। गैंग के मेंबर हैरी बॉक्सर और आरजू बिश्नोई ने सोशल मीडिया के माध्यम से फायरिंग की पुष्टि की। कारोबारी के बेटे सत्येंद्र राठौड़ ने शिकायत दर्ज कराई थी।

पिल्ले को पीट-पीटकर मार डाला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। एक शख्स ने पीट-पीटकर कुत्ते के पिल्ले की जान ले ली। मामला लसूड़िया इलाके की पैराडाइज कॉलोनी में 19 मार्च की रात का है। इसका वीडियो रविवार को सामने आया है।

वीडियो में दिख रहा है कि पिल्ला सड़क पर चलता हुआ आरोपी और उसके साथी की तरफ आया। जैसे ही वह पास पहुंचा, आरोपी ने लाठी से उस पर हमला कर दिया। पिल्ला जमीन पर गिर गया। उसकी तड़प-तड़पकर मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी की पहचान पैराडाइज कॉलोनी निवासी मुकेश कुमावत के रूप में हुई है। वीडियो के आधार पर पीपुल्स फॉर एनिमल्स (पीएफए) की इंदौर ब्रांच की अध्यक्ष प्रियांशु जैन ने शनिवार रात थाने जाकर एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस मुकेश की तलाश कर रही है जबकि उसके साथी की पहचान नहीं हो पाई है। लसूड़िया पुलिस के मुताबिक, मुकेश ने यह आरोप लगाते हुए डॉगी पर हमला किया था कि वह लोगों को काटता है।

पीएम रिपोर्ट से चौंकाने वाला खुलासा

मलबे में जिसे बच्चे का शव समझा वह फोम का टुकड़ा निकला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। ब्रजेश्वरी कॉलोनी में बुधवार तड़के हुए भीषण अग्निकांड में आठ साल के बच्चे का धड़ और सिर अभी भी मलबे में ही दबा हुआ है। पुलिस ने जिसे बच्चे का शव समझा था, वह फोम का टुकड़ा निकला। छह साल के तनय जैन का सिर्फ पैर ही पुलिस को मिला था। यह खुलासा पोस्टमॉर्टम से हुआ। दरअसल अग्निकांड के तीन घंटे बाद पुलिस को मलबे में बच्चे के शव के अंग नजर आए थे। उन्हें चादर में लपेट कर पुलिसकर्मियों ने एमवाय अस्पताल भेज दिया था। जब डॉक्टरों ने पोस्टमार्टम के लिए चादर को खोला तो एक पैर का हिस्सा मिला। दूसरा हिस्सा जला हुआ फोम था।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि आग से घिरे आठों लोगों की मौत धुएं के कारण दम घुटने और आग में झुलसने के कारण हुई। तीन महिलाओं के शव बुरी तरह जल गए थे। उनकी पहचान भी मुश्किल थी। हादसे में मृत रुचिका जैन के छह साल के बेटे तनय का धड़ और सिर अभी तक नहीं मिला है। उसके पैर का एक हिस्सा ही मलबे से पुलिस को मिला था। अब पुलिस व फोरेंसिक विभाग की टीम मलबे से तनय के बाकी अंगों को तलाश रही है। माना जा रहा है कि आग के बाद घर में रसोई गैस सिलिंडरों में हुए धमाके में तनय के शरीर के चिथड़े उड़ गए। बता दें, चार दिन पहले इंदौर की ब्रजेश्वरी एनेक्स कॉलोनी में मनोज पुगलिया के बंगले में लगी आग की रिपोर्ट अभी तक तैयार नहीं हो पाई है। हालांकि, जांच में यह खुलासा हुआ है कि आग ईवी कार की चार्जिंग के दौरान शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। इसके बाद आग ने बिजली पोल और मकान को चपेट में ले लिया। आग के समय घर में 12 लोग थे, जिनमें आठ लोगों की मौत हो गई। दिवंगत कारोबारी मनोज पुगलिया के तीन बेटे और पत्नी की जान पड़ोसियों ने बचा ली थी।

स्टाम्प ड्यूटी घोटाले में डॉ. अमरीश नायडू को झटका, हाईकोर्ट ने हटाई ट्रांसफर पर रोक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। 13.32 करोड़ रुपए के स्टाम्प ड्यूटी घोटाले के मामले में तत्कालीन वरिष्ठ पंजीयक डॉ. अमरीश नायडू को बड़ा झटका लगा है। इंदौर हाईकोर्ट ने उनके रतलाम स्थानांतरण पर पूर्व में लगाई गई रोक को निरस्त कर दिया है। अब उनका ट्रांसफर प्रभावी हो गया है और उन्हें रतलाम जाना होगा। मामले की सुनवाई के दौरान डॉ. नायडू की ओर से दायर याचिका पर हाईकोर्ट ने पहले उनके स्थानांतरण पर रोक लगा दी थी। हालांकि ताजा आदेश में कोर्ट ने वह स्थगन आदेश हटा दिया है।

● ईओडब्ल्यू ने दर्ज किया था प्रकरण

राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण प्रकोष्ठ (EOW) ने इस मामले में तत्कालीन वरिष्ठ पंजीयक डॉ. अमरीश नायडू, सब रजिस्ट्रार संजय सिंह सहित अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोप है कि डीएलएफ गार्डन सिटी कॉलोनी के प्लॉट की रजिस्ट्री में कॉलोनी का नाम हटाकर उसे मांगलिया गांव रोड दर्शाते हुए रजिस्टर्ड किया गया। इससे शासन को 13.32 करोड़ रुपए के स्टाम्प ड्यूटी का नुकसान हुआ। घोटाला सामने आने के बाद शासन ने डॉ. नायडू का इंदौर से रतलाम स्थानांतरण कर दिया था। इसके खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिस पर कोर्ट ने प्रारंभिक तौर पर रोक लगा दी थी। अब कोर्ट ने उस रोक को हटा दिया है। स्टाम्प ड्यूटी घोटाले की जांच ईओडब्ल्यू द्वारा जारी है।

युवती के साथ शिप्रा के युवक को पकड़ा, पिटाई कर पुलिस को सौंपा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। आजाद नगर में हिंदू संगठनों ने शनिवार रात हंगामा कर दिया। यहां एक युवती के साथ शिप्रा के एक युवक को पकड़ा गया। संगठन के लोगों ने युवक की जमकर पिटाई की, बाद में उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

आजाद नगर पुलिस ने धन्ना सेठ उर्फ रूहाब शाह, निवासी शिप्रा, पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। जानकारी के मुताबिक इलाके में हिंदूवादी संगठन और कुछ वकीलों ने युवती के साथ इलाके में धन्ना को पकड़ा था। रहवासियों ने यहां काफी देर तक हंगामा किया। बाद में हिंदूवादियों ने धन्ना को पुलिस के हवाले कर दिया। उनका आरोप था कि धन्ना के मोबाइल में आपत्तिजनक सामग्री मिली है और वह हिंदू युवतियों को अपना शिकार बनाता है। यहां लोगों ने युवती के साथ भी मारपीट की। थाने में युवती को भी पूछताछ के लिए लाया गया। पुलिस अधिकारियों ने उससे एफआईआर को लेकर बात की, लेकिन उसने शिकायत करने से इनकार कर दिया। उसने बताया कि वह धन्ना को कई सालों से जानती है। रात में हंगामे को देखते हुए पुलिस ने धन्ना को थाने में ही रखा। वहीं शिप्रा पुलिस से भी उसकी जानकारी मंगाई जा रही है। इस मामले में हिंदूवादी युवकों और वकीलों ने आजाद नगर थाने का घेराव करने की चेतावनी दी है। उनका कहना है कि धन्ना लंबे समय से इलाके में आता-जाता रहा है और उसके साथ कुछ अन्य युवक भी रहते हैं। उस पर पहले से शादीशुदा होने का आरोप भी लगाया गया है। हालांकि युवती द्वारा शिकायत नहीं करने के चलते पुलिस ने केवल प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है।

4 साल की बच्ची हादसे का शिकार, मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। तिलक नगर में एक सड़क हादसे में 4 साल की बच्ची की मौत हो गई। वह अपने घर से मामा और नानी के साथ ईद मनाने रिश्तेदार के घर जा रही थी। तभी रास्ते में बाइक स्लीप हो गई। बच्ची उसके मामा और नानी को घायल अवस्था में एमवाय लाया गया। लेकिन यहां बच्ची की मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक मृतिका 4 वर्षीय इकरा पुत्री इरफान शाह निवासी माणिकबाग है। वह अपने मामा सुफियान और नानी शबाना के साथ बाइक से शनिवार शाम खजराना की तरफ जा रही थी। तिलक नगर इलाके में उनकी बाइक स्लिप हो गई। हादसे के इकरा बाइक पर आगे बैठी थी। उसके सिर में चोट आई। सभी को एंबुलेस से एमवाय भेजा गया। यहां पर इकरा की मौत हो गई। हादसे में घायल मामा सुफियान और नानी को बाद में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिश्तेदारों ने बताया कि इकरा अपने मामा और नानी के पास ही रहती थी। उसके पिता और मां करीब 2 साल पहले अलग हो गए। इकरा के मामा फनीचर बनाने का काम करते है। वहीं नानी खाना बनाने का काम करती है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है।

मध्यप्रदेश बनेगा स्पेसटेक नीति-2026 से अंतरिक्ष तकनीक का प्रमुख केंद्र: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भारत की नई अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में सशक्त भूमिका में रहेगा मध्यप्रदेश

निवेश, नवाचार और स्टार्टअप को मिलेगा बढ़ावा

युवाओं के लिए खुलेंगे उच्च कौशल रोजगार के नए अवसर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश को स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश स्पेसटेक नीति-2026 लागू की है। यह नीति स्पेसटेक नवाचार, विनिर्माण, अनुसंधान और तकनीक आधारित अनुप्रयोगों को बढ़ावा देकर प्रदेश को भारत की तेजी से विकसित हो रही अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण केंद्र बनाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वैश्विक स्तर पर अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था तेजी से विस्तार कर रही है और भारत इस क्षेत्र में नई संभावनाओं के साथ आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश अपनी मजबूत औद्योगिक संरचना, प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों, डिफेंस कॉरिडोर और उभरते टेक्नोलॉजी इको सिस्टम के कारण स्पेसटेक निवेश के लिए एक अनुकूल और आकर्षक गंतव्य बन रहा है। यह नीति प्रदेश की वैज्ञानिक और खगोलीय विरासत को भविष्य उन्मुख तकनीकी नेतृत्व में बदलने का एक दूरदर्शी प्रयास है, जो युवाओं के लिए नए अवसर तैयार करेगी और प्रदेश को स्पेसटेक सेक्टर में नई पहचान दिलाएगी।

स्पेसटेक इको सिस्टम के समग्र विकास का विजन

स्पेसटेक नीति-2026 अंतरिक्ष क्षेत्र के अपस्ट्रीम, मिडस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम सभी क्षेत्रों के विकास का व्यापक रोडमैप प्रस्तुत करती है।इसमें सैटेलाइट और लॉन्च व्हीकल कंपोनेंट निर्माण, प्रणोदन प्रणाली, एवियोनिक्स, उन्नत सामग्री, असेंबली-इंटीग्रेशन-टेस्टिंग, मिशन संचालन, ग्राउंड स्टेशन, स्पेस सिचुएशनल अवेयरनेस और एआई आधारित डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है।नीति में आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग, टेस्टिंग और डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा और युवाओं को विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों में स्पेसटेक क्षेत्र के लिए तैयार किया जाएगा।

अनुसंधान और नवाचार को मिलेगा नया आधार

नीति में स्पेसटेक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा, जहां अनुसंधान, नवाचार, प्रोटोटाइप विकास और स्टार्टअप इनक्यूबेशन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही स्मालसेट डिजिटल ट्विन लैब एण्ड स्पेस इनोवेशन सैंडबोक्स जैसी आधुनिक सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। उज्जैन

में खगोल भौतिकी और अंतरिक्ष विज्ञान के लिए अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित कर प्रदेश की वैज्ञानिक विरासत को आधुनिक तकनीकों से जोड़ा जाएगा।

स्टार्ट-अप और उद्योगों के लिए आकर्षक प्रोत्साहन

नीति में स्टार्टअप्स को 75 लाख रुपये तक आइडिया-टू-प्रोटोटाइप अनुदान, एक करोड़ रुपये तक टेक्नोलॉजी अधिग्रहण सहायता और 200 करोड़ रुपये का रणनीतिक फंड निवेश, राज्य भागीदारी कोष से उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही एक पेटेंट पर 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति, परीक्षण सुविधाओं के लिए 1 करोड़ रुपये तक सहायता और इसरो, इन-स्पेस और आईएसओ प्रमाणन के लिए 75 प्रतिशत प्रतिपूर्ति (अधिकतम 10 लाख रूपये) का प्रावधान किया गया है। डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव और इनक्यूबेशन सुविधाओं के लिए भी विशेष प्रोत्साहन दिए जाएंगे।

कौशल विकास से तैयार होगा भविष्य का कार्यबल

स्पेसटेक सेक्टर में योग्य मानव संसाधन तैयार करने के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों में विशेष पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इसके लिए 20 लाख रुपये तक का अनुदान दिया जाएगा। छात्रों को 6 माह तक 10 हजार रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड के साथ इंटर्नशिप के अवसर मिलेंगे। साथ ही कर्मचारियों के कौशल उन्नयन के लिए 50 हजार रुपये तक सहायता और शोधकर्ताओं के लिए स्पेसटेक फेलोशिप का भी प्रावधान किया गया है।

विश्वस्तरीय अधोसंरचना का होगा विकास

नीति में स्पेसटेक उद्योगों को 40 प्रतिशत तक पूंजी अनुदान (अधिकतम 150 करोड़ रुपये) दिया जाएगा। महिला उद्यमियों को अतिरिक्त प्रोत्साहन भी मिलेगा। स्पेस सिस्टम एवं एप्लीकेशन पार्क, परीक्षण प्रयोगशालाएं, क्लीन रूम और हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग आधारित डेटा सेंटर स्थापित किए जाएंगे। परीक्षण सुविधाओं के लिए 15 करोड़ रुपये तक अनुदान और स्टार्ट-अप एवं एमएसएमई को परीक्षण लागत पर 30 प्रतिशत तक प्रतिपूर्ति भी दी जाएगी।

विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को मिलेगा बढ़ावा

स्पेसटेक के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए 'अंतरिक्ष विहार' स्पेस एक्सप्लोरेशन पार्क स्थापित किया जाएगा। 'मिशन कल्पना' में स्कूल विद्यार्थियों में नवाचार को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसरो के युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम (युविका) में विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए सहयोग दिया जाएगा और चयनित विद्यार्थियों को 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी।

निवेशकों के लिए सुगम प्रक्रियाएं

नीति के क्रियान्वयन के लिए एमपीएमईडीसी को नोडल एजेंसी बनाया गया है। निवेशकों और स्टार्टअप्स को सिंगल विंडो क्लीयरेंस, ऑनलाइन पंजीयन और सरल प्रक्रियाओं के माध्यम से सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्पेसटेक नीति-2026 प्रदेश में निवेश आकर्षित करने, उद्योगों को नई गति देने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह नीति मध्यप्रदेश को अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

मथुरा कांड पर भड़के बागेश्वर बाबा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

छतरपुर, एजेंसी। मथुरा के छाता में गोतस्करों द्वारा फरसा वाले बाबा उर्फ चंद्रशेखर की कुचलकर हत्या किए जाने के मामले ने अब सियासी और धार्मिक मोड़ ले लिया है। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए दोषियों को फांसी देने की मांग की है। साधना में लीन होने के बावजूद महाराज ने मंच से स्पष्ट किया कि सनातन के लिए आवाज उठाने वालों को दबाने की कोशिश हो रही है। धीरेंद्र शास्त्री इन दिनों माता रानी की विशेष साधना कर रहे हैं। शाम जब वे भक्तों को दर्शन देने पहुंचे, तो उनके चेहरे पर फरसा बाबा की मौत का दुख साफ दिखा। उन्होंने कहा, 'फरसा बाबा जैसा समर्पित गोरक्षक विरले ही मिलता है। उन्हें जिस तरह कुचलकर मारा गया, वह जघन्य अपराध है। मेरी बालाजी से प्रार्थना है कि दोषियों को कड़ी सजा मिले और बाबा को चरणों में स्थान मिले।' बागेश्वर बाबा ने इस दौरान एक बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि हिंदुत्व की बात करने पर उन्हें और उनके परिवार को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने भावुक होकर कहा कि अगर हम खुद मैदान में नहीं उतर सकते, तो कम से कम उन योद्धाओं के साथ तो खड़े हों जो धर्म के लिए अपनी जान दांव पर लगा रहे हैं। मूल रूप से फिरोजाबाद के रहने वाले बाबा चंद्रशेखर 8 साल की उम्र में ही वैराग्य धारण कर चुके थे। अयोध्या में राम जन्मभूमि आंदोलन का हिस्सा रहे बाबा ने पिछले कई वर्षों से ब्रज को अपनी कर्मभूमि बनाया था। फरसा बाबा की मौत के बाद मथुरा का माहौल बेहद तनावपूर्ण बना हुआ है।

सामूहिक दुष्कर्म कर दुपट्टे से गला घोंटकर मार डाला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

रतलाम, एजेंसी। जिले के सरवन थाना क्षेत्र के एक गांव में तीन दिन पहले नाबालिग छात्रा का शव संदिग्ध हालत में मिलने का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। मामला सामूहिक दुष्कर्म व हत्या का पाया गया है। पुलिस ने अब तक जांच में पाया कि अपहरण करके छात्रा के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी गई थी।

मामले में चार नाबालिग लड़कों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के बाद चारों को बाल न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार 17 वर्षीय छात्रा कक्षा 12वीं में पढ़ती थी और दो दिन पहले 17 मार्च 2026 को

ही उसकी परीक्षा खत्म हुई थी। उसके एक परिजन ने बताया कि 18 मार्च की रात गांव में रिश्तेदार की लड़की की शादी थी। छात्रा अपनी बहन व अन्य सहेलियों के पास ही घर से कुछ दूर शादी समारोह के लिए बने मंडप में गई थी। वहां से वह सहेली के साथ कुछ दूर बाथरूम करने गई थी, तभी कुछ लड़के उसे खींचकर ले गए थे। इसकी जानकारी मिलने पर छात्रा के पिता, फूफा व अन्य परिजन उसकी तलाश करने लगे तथा पहले एक लड़के के घर गए तथा उसे पकड़कर लाए और पूछताछ की। उसने दूसरे लड़के का नाम बताया। इसके बाद तीन और लड़कों को पकड़कर पूछताछ की गई। लड़कों ने कहा कि वह घर की तरफ गई है। छात्रा घर पर भी नहीं मिली। इसी बीच तीन लड़के मौका पाकर वहां से भाग गए थे। परिजन, रिश्तेदार व अन्य ग्रामीण छात्रा की आसपास तलाश करने लगे। कुछ देर बाद 19 मार्च की सुबह छात्रा उसके घर के पीछे करीब 250 फीट दूर एक खेत के सेड़े पर मृत मिली थी। उसके गले में दुपट्टा बंधा हुआ था। परिजन ने पुलिस को सूचना दी। सरवन थाने के एसआई जीएल भुरिया, केएल रजक और अन्य पुलिसकर्मियों ने घटना स्थल जाकर जांच की थी तथा शव पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भिजवाया था। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया था। परिजन वाहन से शव लेकर गांव पहुंचे थे और मुख्य मार्ग पर धरना देकर व चक्काजाम कर आरोपियों को गिरफ्तार करने व उनके मकान तोड़ने की मांग की थी। पुलिस द्वारा चार लड़कों को हिरासत में लेने व नियमानुसार कार्रवाई करने का आश्वासन देने पर चक्काजाम समाप्त किया गया था। एसपी अमित कुमार के अनुसार मामले में शामिल चार नाबालिग लड़कों को चिन्हित कर उन्हें हिरासत में लिया गया है। पूछताछ में लड़कों ने बताया कि वे छात्रा को जबरदस्ती खेत की तरफ ले गए थे तथा ज्यादती की थी। विरोध करने पर उसका मुंह दबाया और गला घोंटकर हत्या कर दी थी। घटना की पुष्टि के लिए घटनास्थल से आवश्यक भौतिक साक्ष्य भी एकत्र किए गए हैं तथा प्रकरण में धाराएं बढ़ाई गई हैं।

दूल्हा 35 किमी के लिए हेलीकॉप्टर से लाएगा बारात

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

खातेगांव, एजेंसी। देवास जिले के खातेगांव में अंबाड़ा से कांजीपुरा के बीच मात्र 35 किलोमीटर का सफर तय करने के लिए एक दूल्हा हेलीकॉप्टर से बारात लेकर पहुंचेगा। 23 मार्च को होने वाली यह अनोखी शादी पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है, जिसे देखने के लिए लोग अभी से उत्साहित हैं। दुल्हन के रिश्तेदार नूर खान ने बताया कि दूल्हा रियाज खान (पिता महबूब खान) एक खेती-किसानी से जुड़े परिवार से ताल्लुक रखते हैं। दुल्हन भी कांजीपुरा के एक किसान परिवार की बेटी है। अपनी शादी को यादगार बनाने के लिए दूल्हे ने हेलीकॉप्टर का इंतजाम किया है। खास बात यह है कि व्यस्तता के चलते इंदौर की जगह अब जयपुर से स्पेशल हेलीकॉप्टर मंगवाया जा रहा है। इस शाही एंट्री के लिए कांजीपुरा में जोर-शोर से हेलीपैड बनाने का काम चल रहा है। प्रशासन से एनओसी और जरूरी अनुमतियां लेने की प्रक्रिया भी आखिरी दौर में है। तय प्रोग्राम के मुताबिक, हेलीकॉप्टर दोपहर 12 से शाम 6 बजे के बीच उड़ान भरेगा। अंबाड़ा से उड़कर हेलीकॉप्टर दूल्हे और बारातियों को लेकर कांजीपुरा पहुंचेगा। कार्यक्रम के अनुसार, दोपहर करीब 2 बजे नमाज अदा की जाएगी और उसके बाद निकाह की रस्में पूरी होंगी। निकाह के बाद हेलीकॉप्टर करीब डेढ़ घंटा वहीं रुकेगा और फिर दूल्हा-दुल्हन को विदा कराकर वापस अंबाड़ा ले जाएगा। वहां से हेलीकॉप्टर सीधे जयपुर के लिए रवाना हो जाएगा।

संपादकीय

लाल समंदर की लपटें और आपकी रसोई का बजट

भारत के करोड़ों घरों में सुबह की शुरुआत चाय के पतीले और जलते हुए चूल्हे से होती है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि उस चूल्हे तक पहुंचने वाली गैस का सफर कैसा होता है? आज हम बता रहे है कि कैसे ग्लोबल तनाव और आयात में कमी हमारी रसोई के बजट और सप्लाई पर असर डालती है। भारत अपनी एलपीजी (LPG) जरूरतों का लगभग 60% हिस्सा आयात से पूरा करता है, जिसका 90% हिस्सा खाड़ी देशों से होकर आता है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज जैसे संवेदनशील समुद्री रास्तों पर संकट के कारण जहाजों की आवाजाही में देरी हो रही है। यही कारण है कि घरेलू स्तर पर सिलेंडरों की किल्लत और 'पैनिक बुकिंग' का खतरा बढ़ रहा है। दूसरी ओर, पीएनजी (PNG) यानी पाइप वाली नैचुरल गैस इस मुश्किल समय में एक बेहतर विकल्प बनकर उभरी है। हालांकि यह भी आंशिक रूप से आयातित एलएनजी (LNG) पर निर्भर है, लेकिन भारत का 24,000 किलोमीटर लंबा नैशनल गैस ग्रिड इसे सड़क के रास्ते या समुद्री बाधाओं से काफी हद तक सुरक्षित रखता है। एक्सपर्ट का मानना है कि एलपीजी का घरेलू उत्पादन बढ़ाना हमारे लिए एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि रिफाइनिंग के दौरान उससे सीमित मात्रा में ही प्रोपेन और ब्यूटेन मिल पाता है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और युद्ध जैसे हालात का असर अब भारत की रसोई तक पहुंचने लगा है। दिल्ली समेत कई बड़े शहरों में एलपीजी सिलेंडरों की सप्लाई प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है, क्योंकि देश अपनी गैस जरूरतों का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आयात करता है। समुद्री रास्तों, खासकर स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में बढ़ते जोखिम के कारण शिपमेंट में देरी हो रही है, जिससे कई इलाकों में गैस की किल्लत और 'पैनिक बुकिंग' की स्थिति बन सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर हालात लंबे समय तक ऐसे ही बने रहे, तो इसका सीधा असर आम लोगों के घरेलू बजट और रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ सकता है।

सैर सपाटा

ये है भारत-पाक बॉर्डर पर बसा आखिरी गांव, बना फेमस टूरिस्ट प्लेस, ऐसे पहुंचे

भारत - पाकिस्तान के बॉर्डर के बारे में आपने काफी कुछ सुना होगा, इन पर कई फिल्में भी बन चुकी है। वहीं भारत और पाकिस्तान के बीच विभाजन को दर्शाता वाघा बॉर्डर एक फेमस टूरिस्ट प्लेस है। ऐसे में आज हम आपको भारत-पाक बॉर्डर पर बसे अंतिम गांव के बारे में बताने जा रहे हैं। जो अब भारत का हिस्सा है। बता दें, ,साल 1971 की लड़ाई में जब पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी थी, ये गांव उसके हाथ से निकल कर भारत में शामिल हो गया था। हालांकि 1947 बंटवारे के बाद ये गांव पाकिस्तान का हिस्सा था। बता दें, इस गांव में काफी टूरिस्ट आते हैं। आइए जानते हैं, यहां आकर आप क्या देख सकते हैं और कहां रह सकते हैं।

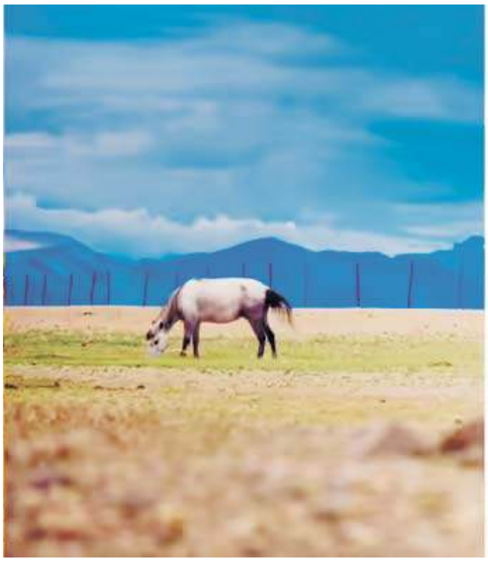

● तुरतुक (Turtuk) है इस गांव का नाम

भारत-पाक सीमा पर बसे अंतिम गांव का नाम तुरतुक है। ये लद्दाख के लेह जिले में एक गांव है। जो बेहद ही खूबसूरत है। ये गांव अपने अपने फलों, खास तौर पर खुबानी के लिए जाना जाता है। बता दें, 1971 से पहले तुरतुक पर पाकिस्तान का शासन था, लेकिन 1971 के युद्ध के बाद भारतीय सेना ने इस गांव पर नियंत्रण हासिल कर लिया था। बता दें, ये गांव बॉर्डर से 8 किलोमीटर पहले है। इसके आगे थांग नाम की जगह है, लेकिन थांग पाकिस्तानी सेना की स्नाइपर रेंज (sniper range) में आता है।

● जानें- इस गांव में क्या देख सकते हैं?

जानकारी के अनुसार इस गांव की आबादी 2,500 के आस- पास है। इस गांव को पहले पाकिस्तान में बाल्टिस्तान कहा जाता था। ऐसे में यहां के कुछ निवासी अभी भी जो भाषा बोलते हैं वह बाल्टी है। खूबसूरत होने के साथ- साथ आपको इस गांव कई ऐतिहासिक चीजें देखने को मिलेगी। यहां पर 16वीं सदी की मस्जिद और आइकॉनिक पोलो ग्राउंड है। यही नहीं, यहां पर बाल्टी हेरिटेज होम, बाल्टी म्यूजियम और तुरतुक गोम्पा है, जिसने देखने के लिए टूरिस्ट दूर- दूर से आते हैं।

बंट गए लोग

1971 से जब तुरतुक गांव भारत में शामिल हुआ, तब एक ही परिवार के आधे लोग हिंदुस्तान आ गए और आधे लोग पाकिस्तान में ही रह गए। हालांकि भारत की सरकार ने ऐसे परिवारों के लिए रास्ता आसान कर दिया है। ये लोग वीजा लेकर लोग पाकिस्तान जा सकते हैं और अपने रिश्तेदारों से मिल सकते हैं, लेकिन पाकिस्तान जाने से पहले कागजी कार्रवाई करना जरूरी है। जो काफी खर्चीली भी है।

तुरतुक में कहां ठहर सकते हैं?

तुरतुक में बहुत सारे गेस्ट हाउस हैं और आपको यह जगह इजरायलियों से भरी मिलेगी, यहां तक कि इजरायली गेस्ट हाउस भी हैं जो आपको नाश्ते के साथ 800 से 1000 रुपये तक सस्ते में रूम देंगे। हालांकि अगर आप बार्गेनिंग करेंगे, तो आपको और कम पड़ सकता है। आप चाहें, तो यहां आकर होम स्टे का ऑप्शन भी चुन सकते हैं। यहां के लोगों के खूबसूरत पुराने घर हैं जो टूरिस्ट का गर्मजोशी से स्वागत करते हैं और उनके लिए स्वादिष्ट भोजन तैयार करते हैं। होम स्टे में रहना अच्छा ऑप्शन रहेगा,क्यों कि आप स्थानीय लोगों के साथ बाल्टी संस्कृति के बारे में अधिक जान सकते हैं। होम स्टे की शुरुआत 350 प्रति व्यक्ति से हो जाती है, जिसमें दो टाइम का खाना शामिल होता है।

● तुरतुक कैसे पहुंचें?

तुरतुक पहुंचने के लिए सबसे पहले आपको लेह जिला प्रशासन से इनर लाइन परमिट लेना होगा। परमिट केवल आपको सिर्फ 5 दिनों के लिए मिलेगा। आप इसे या तो सीधे एडमिनिस्ट्रेशन ऑफिस से प्राप्त कर सकते हैं या लेह में किसी भी ट्रैवल कंपनी से पूछ सकते हैं। वे इसे आपके लिए बना देंगे। किसी भी कंपनी से संपर्क करने से पहले ये चेक जरूर कर लें, कि वो फर्जी न हो। एक बात याद रखें, एडमिनिस्ट्रेशन ऑफिस शाम 5 बजे बंद हो जाता है इसलिए परमिट उसी के अनुसार बनवा लें।

Uttarpradesh

आतंकी साजिश का बड़ा खुलासा, ISI के निशाने पर कई राज्य, बनाए जा रहे हाइब्रिड आतंकी

मेरठ, (एजेंसी) आईएसआई और आतंकी संगठनों के निशाने पर देश के दर्जनभर राज्य हैं। इन जगहों पर हाइब्रिड आतंकी बनाए जा रहे हैं। दिल्ली-एनसीआर में सोलर कैमरे लगाकर रेकी कराने से लेकर अंबाला में आरडीएक्स की सप्लाई के दौरान पकड़े गए आरोपियों और बाकी छानबीन के बाद खुफिया एजेंसियों के हाथ ये साक्ष्य लगे हैं।

एसटीएफ और खुफिया एजेंसियों ने पाकिस्तानी गैंगस्टर और आईएसआई के लिए काम करने वाले शहजाद भट्टी के संपर्क में रहने वाले तीन आरोपियों अकबर अली निवासी अजमेर, अनस निवासी मेरठ और

जगबीर निवासी अंबाला को आरडीएक्स के साथ अंबाला में दबोचा था। चौथा आरोपी मक्खनदीप निवासी पंजाब फरार बताया जा रहा था। इसी रोज गाजियाबाद में सुहेल मलिक निवासी मेरठ समेत छह आरोपियों को गाजियाबाद की कौशांबी पुलिस ने खुफिया एजेंसियों के इनपुट के बाद गिरफ्तार किया।

खुलासा हुआ कि पाकिस्तान में बैठे कुछ हैंडलर के कहने पर सुहेल ने दिल्ली और बाकी जगहों पर सोलर कैमरे लगवाए थे। इसी टेरर मॉड्यूल से जुड़े नौ आरोपियों की गिरफ्तारी 20 मार्च को की गई, जिसमें पांच किशोर भी शामिल हैं। दूसरी ओर आईबी और एटीएस ने आरडीएक्स कनेक्शन में 18 मार्च को हापुड़ से अजीम राणा और मेरठ के आजाद राजपूत की गिरफ्तारी की।

Karnataka

इस समय भारत में... कॉलेजियम सिस्टम पर देश के पूर्व CJI ने कह दी बड़ी बात

सरकार की भूमिका पर क्या बोले?

बेंगलुरु, (एजेंसी) देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी आर गवई ने रविवार को कहा है कि जजों की नियुक्ति के लिए मौजूदा समय में कॉलेजियम प्रणाली ही भारत के लिए सबसे उपयुक्त है। पूर्व CJI 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन' के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान 'न्यायिक शासन की पुनर्कल्पना' विषय पर बोलते हुए गवाई ने कई अहम मुद्दों पर बात की।

पूर्व CJI ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, ''कॉलेजियम के कामकाज के संबंध में एक मुद्दा उठाया गया था। मैं यह नहीं कहूंगा कि कॉलेजियम प्रणाली एक त्रुटिहीन प्रणाली है। कोई भी प्रणाली परिपूर्ण नहीं हो सकती। हर प्रणाली के अपने फायदे और नुकसान होते हैं। लेकिन इतने वर्षों तक काम करने के बाद, मुझे लगता है कि कम से कम फिलहाल के लिए, कॉलेजियम प्रणाली हमारे देश के लिए सबसे उपयुक्त है।''

जस्टिस गवई ने आगे कहा कि कॉलेजियम मनमाने ढंग से काम नहीं करता है। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और दो वरिष्ठतम न्यायाधीशों की कॉलेजियम द्वारा न्यायाधीशों के नामों की सिफारिश की जाती है, और उसके बाद यह केंद्र सरकार को भेजा जाता है। उन्होंने कहा, ''केंद्र सरकार, खुफिया विभाग और सभी पक्षों से सुझाव एकत्र किए जाते हैं, और उसके बाद उच्चतम न्यायालय की कॉलेजियम अंतिम निर्णय लेती है। नामों को भेजे जाने के बाद भी अगर सरकार या कार्यपालिका को कोई आपत्ति होती है, तो उन आपत्तियों को कॉलेजियम के समक्ष रखा जाता है। कॉलेजियम आपत्तियों पर विचार करता है और उसके बाद अंतिम फैसला किया जाता है।''

New Delhi

यूपी-बिहार समेत कई राज्यों में अभी बरसेंगे बादल, मौसम विभाग ने जारी किया तूफान का अलर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी) मार्च के महीने में हालात मॉनसून जैसे हो गए हैं और ठंड भी वापस आ गई है। उत्तर और पश्चिम भारत में बारिश की वजह से तापमान में अच्छी खासी गिरावट आई है। कई राज्यों में ओलावृष्टि की वजह से फसलों को नुकसान हुआ है। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले कुछ दिनों तक मौसम का यह सिस्टम ऐक्टिवेट रहेगा और इसकी वजह से कई जगहों पर बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग ने बताया है कि 15 राज्यों में अभी बारिश की आशंका बनी हुई है। बारिश और ओलावृष्टि से किसानों के लिए मुसीबत खड़ी हो सकती है। पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवातीय परिसंचरण की वजह से मौसम इस तरह करवट बदल रहा है। वातावरण में नमी होने की वजह से बारिश हो रही है। मौसम विभाग का कहना है कि यूपी-बिहार, झारखंड समेत कई राज्यों में 50 से 60 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

Uttarpradesh

पथरी के ऑपरेशन के समय महिला की मौत, बलिया में प्राइवेट अस्पताल की लापरवाही... परिजनों का हंगामा

बलिया, (एजेंसी) यूपी के बलिया में एक प्राइवेट हॉस्पिटल में डाक्टर की लापरवाही से ऑपरेशन के दौरान एक महिला की मौत हो गई. महिला की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया. यहां तक कि भीड़ को हटाने के लिए पुलिस को हल्का बल भी प्रयोग करना पड़ा. परिजनों का आरोप है कि महिला की मौत के बाद भी डाक्टरों ने मौत की बात छिपाकर रखी. फिलहाल जिला प्रशासन अब पूरे मामले की जांच कर कार्रवाई की बात कर रहा है. जानकारी के अनुसार सुखपुरा थाना क्षेत्र के देवकली की रहने वाली अनिशा पांडे को पेट में पथरी की शिकायत थी. जिसके ऑपरेशन के लिए वो यहां बने एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती हुई थी. अस्पताल के

डाक्टर द्वारा ऑपरेशन शुरू किया. इसी दौरान महिला की हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई. मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया और पुलिस के साथ हाथापाई भी करने लगे. परिजन का कहना है कि 2 एमएम की पथरी थी. डॉक्टरों ने कहा कि लेजर से ऑपरेशन हो जायेगा.

खेल

यानिक सिनर ने मियामी ओपन में जुमहुर को दी मात, इस मामले में जोकोविच की बराबरी पर पहुंचे

मियामी, (एजेंसी) यानिक सिनर ने हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए मियामी ओपन के पहले राउंड के मुकाबले में दामिर जुमहुर को 6-3, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ सिनर ने सर्बिया के दिग्गज नोवाक जोकोविच के एक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। सिनर ने नवंबर में पेरिस मास्टर्स और इंडियन वेल्स में अपने खिताबी जीत के बाद अब एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट्स में लगातार 24 सेट जीतकर नोवाक जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

● सिनर के पास आगे निकलने का मौका

सिनर के पास 30वीं वरीयता प्राप्त कोरेंटिन मौटेट के खिलाफ अपने तीसरे राउंड के मुकाबले का पहला सेट जीतकर जोकोविच से आगे निकलने का मौका होगा, जिन्होंने टॉमस माचाक को 6-0, 1-6, 6-4 से हराया था। जीत के बाद सिनर ने कहा, मुझे लगता है कि कभी-कभी स्कोरबोर्ड मायने रखता है। मेरे लिए मैं एक खिलाड़ी के तौर पर बेहतर होने की कोशिश करता हूं और खुद को ज्यादा से ज्यादा मैच खेलने की स्थिति में रखता हूं। मैं हमेशा हर विरोधी के साथ एक जैसा बर्ताव करता हूं, कोर्ट पर आकर अच्छे रवैये के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं और इसके लिए पूरी कोशिश करता हूं।

सिनर मियामी में अपना दूसरा खिताब जीतने की कोशिश कर रहे हैं। पूर्व में 2024 में वह चैंपियन रहे थे। इंडियन वेल्स में 2026 के लिए अपनी पहली ट्रॉफी उठाने के बाद, सिनर 2017 में रोजर फेडरर के बाद मशहूर सनशाइन डबल पूरा करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे हैं। दूसरी तरफ, अलेक्जेंडर शेवचेंको ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में वापसी करते हुए जीत हासिल करके बेन शेल्टन को मियामी ओपन से बाहर कर दिया।

सिनेमा

28 साल बाद 'धुरंधर' से मिली पहचान! चिट्ठी लिख भावुक हुए गौरव गेरा, बोले- रील-टिकटॉक सब बनाया

कभी-कभी एक पुरानी चिट्ठी सौ इंटरव्यू से ज्यादा बातें कह जाती है. धुरंधरः द रिवेंज में मोहम्मद आलम का किरदार निभाकर दिल जीत रहे एक्टर गौरव गेरा ने अपने अतीत का एक बेहद पर्सनल पल शेयर किया है. उन्होंने एक चिट्ठी के जरिए अपनी बात कही है, जिसे देख हर कोई इमोशनल हो गया है. आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी और रणवीर सिंह स्टारर धुरंधर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है, लेकिन इस वक्त लोगों का दिल- गौरव की असली जिंदगी की कहानी- छू रही है. रविवार को गौरव ने एक हाथ से लिखी चिट्ठी की तस्वीरें शेयर कीं, जो उन्होंने 1998 में अपने माता-पिता को लिखी थी. उस समय वो बड़े सपने लेकर दिल्ली से मुंबई आए थे, लेकिन उनके पास ज्यादा कुछ पक्का नहीं था. इस चिट्ठी में युवा गौरव ने मुंबई में अपने शुरुआती दिनों के बारे में दिल खोलकर लिखा. उन्होंने लिखा- डियर मम्मा और पापा, आप लोग कैसे हैं? मैं यहां ठीक हूं. अभी तक पैसे के मामले में कुछ खास नहीं हुआ है, लेकिन उम्मीद है कि जल्दी अच्छा होगा. यहां दिल्ली के मुकाबले ज्यादा काम है. उनकी बातें बहुत सीधी और सच्ची हैं, जो सीधे दिल को छू जाती हैं. उन्होंने ये भी बताया कि वो हर शाम मैन ऑफ ला मांचा नाम के म्यूजिकल के लिए रिहर्सल करते थे.

Highlights

1. **Deeply regressive proposal: Shashi Tharoor on new Transgender Bill**
2. **BJP's Garlosa joins Congress day before Assam nomination deadline**
3. **Air Force staffer arrested for spying for Pakistan, leaking sensitive data**
4. **Light rain hits parts of Delhi-NCR, IMD forecasts more showers**
5. **Missile debris hits Indian national in Abu Dhabi**

Anil Agarwal's Vedanta moves NCLAT against Adani's bid for Jaypee group's flagship firm

NEW DEIHI, (Agency). Anil Agarwal-led Vedanta Ltd has moved the National Company Law Appellate Tribunal (NCLAT) against the approval of Adani Enterprises Ltd's ₹14,543 crore bid for bankrupt Jaiprakash Associates Ltd.

Vedanta has appealed against the Allahabad bench of the National Company Law Tribunal's (NCLT) 17 March order approving the Gautam Adani-led company's plan and rejecting the mining company's challenge, per the appellate tribunal's cause list.

The matter is likely to be heard on Monday by a bench led by NCLAT chairperson Justice Ashok Bhushan.

Vedanta had earlier termed the approval a "commercial conspiracy" and sought reconsideration of its bid.

At the core of the dispute is how value should be assessed under the

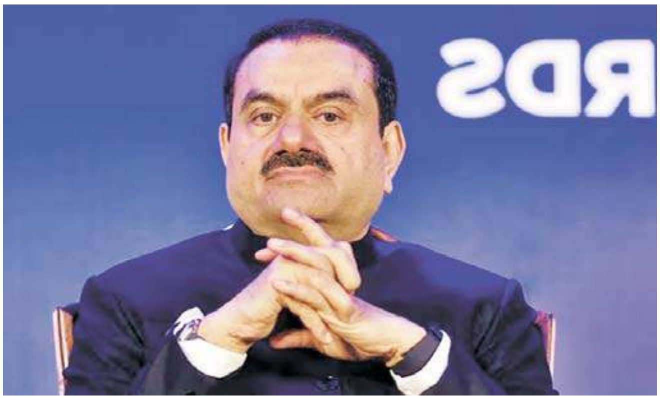

Insolvency and Bankruptcy Code (IBC). Vedanta argued that lenders violated the principle of maximising value through a fair process. It said it had emerged as the highest bidder with an offer of ₹12,505.85 crore on a net present value (NPV) basis.

Despite this, lenders approved a rival plan which, according to Vedanta, was lower by about ₹3,400 crore in total value and ₹500 crore in NPV. The company also alleged procedural unfairness, saying it was not given reasons or an opportunity to clarify its proposal.

Vedanta further pointed to an improved offer submitted on 8 November 2025, increasing upfront cash to about ₹6,563 crore and equity infusion to ₹800 crore. It argued that this would have led to better recovery and should have been considered.

The committee of creditors (CoC) defended its decision, saying the process complied with all IBC rules. They maintained that no bidder has a guaranteed right to win, even if it offers the highest value.

How tax harvesting can help save capital gains tax

NEW DEIHI, (Agency). The Iran war and the resultant closure of the Strait of Hormuz have led to crude oil prices skyrocketing. The Brent Crude Oil prices have crossed the $100/barrel mark, and India imports most of its oil requirements. It has led to pressure on the Indian Rupee, bond yields, current account, and stock markets.

The Nifty 50 Index has corrected more than 15% from its September 2024 peak. The Nifty Midcap 150 and Nifty Smallcap 250 indices have corrected even more. If you have started investing in the last 1-2 years, your equity

portfolio must have seen losses due to the current correction. You can book these losses and reinvest, and in the process save capital gains tax with tax harvesting. In this article, we will understand what tax harvesting is, and how it can help you save capital gains tax.

What is tax harvesting?

Tax harvesting is a strategy used to reduce the capital gains tax or make it nil. It can be done by booking long-term capital gains (LTCG) of up to Rs. 1.25 lakh on direct equity and equity mutual funds. LTCG of up to Rs. 1.25 lakh in a financial year is exempt from taxation.

The other way of tax harvesting is to book capital losses on direct equity and equity mutual funds and use them to offset an equivalent amount of capital gains from other investments. It results in the overall capital gains either being reduced or becoming nil. A lower or nil capital gain results in lower or nil capital gain tax.

Let us understand this with an example. Suppose Priya has booked a Rs. 2 lakh long-term capital gain (LTCG) during the earlier part of the financial year by redeeming a part of her equity mutual fund investments.

गोदाम में लगी भीषण आग : बाल-बाल बचे मजदूर, कई महिलाओं की बिगड़ी तबियत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। सांवेर रोड स्थित औद्योगिक क्षेत्र में रविवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई जब नरवल इलाके में स्थित एक प्लास्टिक स्क्रैप गोदाम में भीषण आग लग गई। इस घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम सक्रिय हुई और तत्काल तीन दमकल गाड़ियों को मौके पर रवाना किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह करीब 11 बजे गोदाम से धुएं का गुबार उठते देखा गया जिसके बाद स्थानीय प्रशासन को सूचित किया गया।

चूंकि गोदाम में भारी मात्रा में प्लास्टिक और अन्य स्क्रैप सामग्री रखी हुई थी इसलिए आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप धारण कर लिया। प्लास्टिक जलने के कारण क्षेत्र में घना काला धुआं फैल गया जिससे आसपास के रहवासियों को सांस लेने में कठिनाई का सामना करना पड़ा। धुएं की तीव्रता इतनी अधिक थी कि कई मीटर दूर से ही आसमान में काले बादल देखे जा सकते थे।

गोदाम के बिल्कुल समीप मजदूरों के घर बने हुए थे। आग की लपटें तेजी से बढ़ती देख वहां रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई। अपनी जान और माल की सुरक्षा को देखते हुए मजदूरों ने आनन-फानन में अपने घरों से कीमती सामान बाहर निकालना शुरू कर दिया। दमकल विभाग की टीम ने घरों की ओर से भी पानी की बौछारें कीं ताकि रिहायशी इलाके को आग की चपेट में आने से बचाया जा सके। बीजेपी नेता मासूम जायसवाल ने इस घटना के संबंध में बताया कि उन्हें सुबह साढ़े दस बजे के आसपास सूचना मिली थी। उन्होंने पुष्टि की कि फायर ब्रिगेड की तत्परता के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि पड़ोस में रहने वाले शंकर परमार और अन्य लोगों के घर में धुआं घुसने से कुछ महिलाओं को घबराहट की शिकायत हुई थी। प्राथमिक उपचार और खुली हवा में आने के बाद अब उनकी स्थिति सामान्य है। फायर ब्रिगेड के एसआई शिवनारायण शर्मा ने जानकारी दी कि यह गोदाम मोहम्मद इरफान नामक व्यक्ति का है। जिस समय आग लगी गोदाम बंद था और अंदर फंसे कुछ कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाने के लिए अब तक लगभग 10 टैंकर पानी का उपयोग किया जा चुका है। फिलहाल आग लगने के सटीक कारणों का पता नहीं चल पाया है जिसकी जांच जारी है।

छात्र का मोबाइल लेकर भागे बदमाश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। लसूडिया इलाके में एक बाइक सवार बदमाश ने छात्र के साथ मोबाइल लूट की वारदात को अंजाम दिया। छात्र ने इस मामले में शनिवार को एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस अब फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है। इधर विजयनगर में भी बाइक सवार बदमाशों ने एक युवक का मोबाइल लूटा है। लसूडिया पुलिस ने उज्वल सिंह बुन्देला निवासी सिविल लाइन्स रोड ललितपुर की शिकायत पर अज्ञात बाइक सवार लूटेरे के खिलाफ एफआईआर की है। उज्वल ने बताया कि वह प्रेस्टीज कॉलेज से अपने दोस्त यश के साथ पैदल बापू गांधी नगर की तरफ जा रहा था। इस दौरान वह मोबाइल पर किसी से बात कर रहा था। तभी बाइक सवार लूटेरा वहां पहुंचा और हाथ पर झपटा मारते हुए मोबाइल छीन लिया। उज्वल और उसके दोस्त ने आरोपी का पीछा भी किया। लेकिन आरोपी हाथ नहीं आया। वहीं विजयनगर इलाके में भी वेंदाता अस्पताल के पास अमित का मोबाइल अज्ञात बदमाश लूटकर ले गए। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है। बाइक सवार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

दूसरी मंजिल से गिरकर महिला की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। लसूड़िया में एक बंगले पर काम करने के दौरान रविवार दोपहर सफाई करने वाली महिला दूसरी मंजिल से नीचे गिर गई। जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया है। पुलिस के मुताबिक, घटना निपानिया की है। यहां रहने वाली महिला (36) पत्नी कन्हैया की हादसे में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार परिजनों ने बताया कि महिला साफ-सफाई का काम करती थी। रविवार को वह निपानिया इलाके में एक बंगले पर काम करने गई थी, जहां हादसे का शिकार हो गई। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया। हालांकि पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि दूसरी मंजिल से महिला पोछा लगाते समय नीचे गिर गई, जिससे सिर में चोट लगने के कारण उसकी मौत हो गई।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक